मेसर्स महाराष्ट्र स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड, (एम.एस.पी.जी.सी.एल.), गारे पेलमा, सेक्टर–2 कोल माईन प्रोजेक्ट–23.60 एम.टी.पी.ए. (ओपन कास्ट–22.0 एम.टी.पी.ए. + अंडरग्राउण्ड–1.6 एम.टी. पी.ए.) लीज एरिया–2583.48 हेक्टेयर, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) के स्थापना के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 27 सितम्बर 2019 का कार्यवाही विवरण :–

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स महाराष्ट्र स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड, (एम.एस.पी.जी.सी.एल.), गारे पेलमा, सेक्टर–2 कोल माईन प्रोजेक्ट–23.60 एम.टी.पी.ए. (ओपन कास्ट–22.0 एम.टी.पी.ए. + अंडरग्राउण्ड–1.6 एम.टी.पी.ए.) लीज एरिया–2583.48 हेक्टेयर, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) के स्थापना के लिये पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 27.09.2019 को समय–11:00 बजे, स्थल–शासकीय प्राथमिक शाला का मैदान, ग्राम–डोलेसरा, ग्रामपंचायत–डोलेसरा, तहसील–तमनार, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ़, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम पीठासीन अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभावित परिवारों, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीण जनों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि तथा इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मिडिया के लोगो का स्वागत करते हुये जन सुनवाई के संबंध में आम जनता को संक्षिप्त में जानकारी देने हेतु क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को निर्देशित किया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी। पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुद्दे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई कोल माईन प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतीकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम कंपनी के पर्यावरण सलाहकार डॉ. बी. चक्रधर ने कहा कि मैं मेसर्स महाराष्ट्र स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड की ओर से जनता को लोक सुनवाई के लिये आमंत्रित करता हूँ। मै इस प्रोजेक्ट के बारे में इफेक्ट क्या होगा समझा देंगे, जो आप जनुसनवाई के बारे में बैठे हुये है जो मेसर्स महाराष्ट्र स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड की जनसुनवाई हो रही है। मेसर्स महाराष्ट्र स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड, (एम.एस.पी.जी.सी.एल.), गारे पेलमा, सेक्टर–2 कोल माईन प्रोजेक्ट–23.60 एम.टी.पी.ए. (ओपन कास्ट–22.0 एम.टी.पी.ए. + अंडरग्राउण्ड–1.6 एम.टी.पी. ए.) लीज एरिया–2583.48 हेक्टेयर, का टी.ओ.आर. दिनांक 08.08.2016 को जारी किया गया है। मेसर्स रामकी इनवायरो सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड द्वारा संग्रहित मुलाधार पर्यावरणीय आंकड़ो के आधार पर ईआई.ए./ई.एम.पी. का ड्राफ्ट तैयार किया गया है। छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायपुर ने दिनांक 20.08.2019 को जन सुनवाई अधिसूचना जारी कर डोलेसरा प्राथमिक शाला मैदान में किया गया है। दिनांक 27.09.2019 को जन सुनवाई आयोजित किया गया है, जिसका प्रकाशन दैनिक भास्कर एवं हिन्दुस्तान टाइम्स में दिनांक 25.08.2019 को प्रकाशित कर दी गई है। ईआईए. रिपोर्ट ग्राम सभा में प्रकाशन के लिये रखा गया है। 1.6 भू–गर्भ का प्रस्ताव किया गया है। ये प्रोजेक्ट का शुरूवात हम लोग पर्यावरण का रिपोर्ट बनाने के लिये एम.ओ.ई.एफ. के सामने अगस्त 2016 में ले चुके थे प्रदूषण के क्लियरेंस की बात करते है आप का जो भी सुझााव होगा पूर्ण करते हुये एम.ओ.ई.एफ. से क्लियरेंस लेगें। आप लोगो के सुझााव को लेकर स्वीकृति, के लिये जायेंगे। 10 कि.मी. के रेंज में कितना प्रदूषण होगा, कितना पानी है, वहा प्रदूषण की मात्रा क्या होगी वह ड्राफट इ.आई.ए. में प्रस्तुत किया हुआ है, उसी के लिये हम लोग प्रस्तुतिकरण कर रहे है। कोयला का खदान बनाने का जो 10–14 गाव अंदर के आस–पास कोयला का कितना–कितना 01 साल के लिये होगा, यह पर्यावरण रिपोर्ट के अंदर में बना हुआ है कि क्या–क्या करेंगे, नदी को प्रदूषण से कोई भी हानि नहीं पहुचेगी, क्योंकि इस्ट–वेस्ट में खनन किया जायेगा। ये भी रिपोर्ट लिखा हुआ है कितना कोयला निकालेंगे, कितना पानी की जरूरत होगी, शुरू में बोरवेल एवं नदी से लगभग 2700 कि.ली. प्रतिदिन पानी का उपयोग किया जायेगा, फिर खदान से निकलने वाले पानी को स्वच्छ कर प्रयोग में लाया जायेगा। खदान चालु होने के बाद उसी पानी को उपयोग में लाया जायेगा। सभी को मालूम है

खदान से प्रदूषण होगा, जिसके लिये 08–08 घंटे में पानी का छिड़काव निरन्तर होगा। पीने हेतु बोरव्हेल्स से निकालकर करेंगे, छिड़काव के लिये बाहर के पानी का इस्तेमाल करेंगे। जो गंदा पानी आता है उसे स्प्रिंकलिंग करने की बात जुड़ा हुआ है। अक्टुबर–नवम्बर हवा का, पानी का प्रदूषण कितना होगा, उसमें ये कमी पाया गया है स्टेंडर लिमिट के अंदर पाया गया है जो भी लगता है प्रदूषण की मात्रा को कम करने के लिये सेफ्टी के उपाय करेंगे। कोयला निकालने के लिये उपर का मिट्टी निकालना पड़ता है ग्रीन बेल्ट यहा पर्याप्त है और इसके अलावा और भी 36 एकड़ में ग्रीन बेल्ट की स्थापना करेंगे। सी.एस.आर. एक्टिविटी जो 30 से 35 करोड़ की लागत से करेंगे। यह जो नया खदान है, 3000 से 5000 लोगो के लिये नौकरिया, हेल्थ चेकप के लिये बात किया हुआ है, हैण्ड पंप लगा हुआ है और कितनी जरूरत पड़ेगी व्यवस्था करेंगे। मेडिसिन, एम्बुलेंस की सुविधा करायेंगे। ग्रामीणों के लिये सभी प्रकार की सुविधा करेंगे। बच्चे को स्कालरसिप की सुविधा होगी, एग्रीकल्चर के लिये पानी को शुद्ध करके सी.एसस.आर. के अंदर रखेंगे, 30–35 करोड़ की लागत से। कोयला खदान में धुल बहुत निकलती है उसकी सुविधा के लिये पर्यावरण को शुद्ध करेंगे। 38 करोड़ का प्रावधान महाराष्ट्र सरकार के रिक्वायरमेंट से आयेगा जो महाजेंको के रिपोर्ट में पुरा रखा गया है। दो जगहो में ओपन कास्ट 28 से 29 साल के अन्दर में हो जायेगा। पुरा कोयला निकाल के बिजली का कार्य हर स्टेट में भेजा जायेगा जिससे जन का उज्जवल भविष्य बनेगा। आप सभी को सुझाव व जवाब देकर हम फाइनल स्वीकृति के लिये केन्द्र सरकार के पास जायेंगे।

तदोपरांत पीठासीन अधिकारी द्वारा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणजनों/परिवार, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारियों, समुदायिक संस्थानों, पत्रकारगणों तथा जन सामान्य से अनुरोध किया कि वे परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव, जनहित से संबंधित ज्वलंत मुद्दों पर अपना सुझाव, विचार, आपत्तियां अन्य कोई तथ्य लिखित या मौखिक में प्रस्तुत करना चाहते है तो सादर आमंत्रित है। यहा सम्पूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी कराई जा रही है।

आपके द्वारा रखे गये तथ्यों, वक्तव्यों/बातों के अभिलेखन की कार्यवाही की जायेगी जिसे अंत में पढ़कर सुनाया जायेगा तथा आपसे प्राप्त सुझाव, आपत्ति तथा ज्वलंत मुद्दों पर प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार द्वारा बिन्दुवार तथ्यात्मक स्पष्टीकरण भी दिया जायेगा। सम्पूर्ण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जायेगी, पुनः अनुरोध किया कि आप जो भी विचार, सुझाव, आपत्ति रखे संक्षिप्त, सारगर्भित तथा तथ्यात्मक रखें ताकि सभी कोई सुनवाई का पर्याप्त अवसर मिले तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने का अनुरोध किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 1000 लोगो का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 57 लोगों ने हस्ताक्षर किये। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –

1. रीना पटनायक, डोलेसरा – मेसर्स कंपनी का मैं समर्थन करती हूँ। मैं समर्थन इसलिये करती हूँ कि मैं आज जों बात कर पा रही हू वो महाजेंको के कारण है। इस कंपनी के जुड़ने से मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार आया हैं यह कंपनी शिक्षा के क्षेत्र में स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करती है। पहले मैं घर से बाहर नहीं निकल पाती थी। पहले मुझे कोई नहीं जानता था आज मुझे मेरे नाम रीना के नाम से जानते है और ये सब इस कंपनी की वजह से है। हमारे आस–पास बेरोजगारो को कंपनी के आने से रोजगार मिलेगा निरन्तर विकास होगी हमारे सब्जीमार्केट का विकास होगा महिलाओं को काम मिलेगा। मैं चाहती हूँ कंपनी हम जैसे लड़कियों को काम दे। मैं चाहती हूँ कि गांव में पीने का पानी की व्यवस्था हों बच्चों को परिवहन के लिये वाहन दें। कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य में सुधार के लिये कंपनी काम करें। महिला सशक्ति में भी काम करें। कंपनी के आने से खेल को प्रोत्साहन देती है यहां कि लडकियां पहले खेल नहीं पाती थी आज वो स्टेट लेवल खेल रही है। हमारे क्षेत्र में भी सभी काम हो। शासन के नियमों के अनुसार उचित मुआवजा मिले। मातृ–शिशु दर में काम हो यहां गरीब बच्चों को खाने पीने में विशेष ध्यान दे। कंपनी इसमें विशेष ध्यान दें। कंपनी स्वच्छता अभियान चलाये। प्रशिक्षण केन्द्र हो महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार दें। जो महिला घर से बाहर नहीं निकल पाती आज वो महिलायें बाहर में काम कर रही, ओर जो महिलाये काम

नहीं कर पाती उन्हे काम दें। हम ट्यूशन पढना चाहते थे, तो पैसे नहीं थे आज कंपनी हमें यह मुहैया करा रही है। अभी भी बहुत से ट्युशन चल रहे है उससे बच्चो का अच्छा रिजल्ट आ रहा है। यहां के लोगो को रोजगार मिले। शौचालय की व्यवस्था किया जाये। शौचालय है पर पानी नहीं है। स्कूलों की व्यवस्था बहुत खराब है अच्छे से कंपनी प्रयास करे कि स्कूल अच्छा हो पानी में बच्चे बैंठ नहीं पाते। टीचर भी नहीं है। पांचवी में सिर्फ दो टीचर है। टीचर की व्यवस्था करें जिससे बच्चो का भविष्य उज्जवल हों। महिलाओं को आगे लाने का काम करें। महिलाओं को अवसर नहीं मिल पाता, मुझे भी कंपनी की तरफ से अवसर मिला जिससे मैं आगे बढ़ पाई जिससे मेरी लाईफ में इतना चेंजेस आया है। मैं उस लायक बन गई हूँ कि मैं घर का खर्च चला सकती हूँ। और मेरी मां मुझे बेटा समझती है। मैं इसलिये चाहती हूँ कि कंपनी यहां आयें। जैसे कौशल विकास योजना है जो यहां कि लड़कियो को पता नहीं चल पाता है। मैं चाहती हू यहां कंपनी आये और सरकारी योजना का लाभ दिलायें। सब बोलते थे की कंपनी जा रही काम करने, फिर मुझे पता चला कि कंपनी से मुझे बोलने चलने बात करने का तरीका पता चला। मेरे जैसी और भी लड़कियां है जिन्हे काम मिले। आज महिलाये चार लोगो के सामने बात कर सकती है। अपनी बात रख सकती है। और मांईस खुलेगी अगर हम कोयला नहीं निकालने देगें तो काम कैसे चलेगी। हम खुशनसीब है जो हम कोयला क्षेत्र में है। अगर कोयला नहीं होगी तो लाईट नहीं रहेगी। मेरा गांव का विकास होगा मेरा क्षेत्र का विकास होगा कंपनी के आने सें। कुछ क्षेत्र में पढ़े लिखे हो के भी घर में है और हमारे गांव में सब कुछ अच्छी है आर्थिक सुधार आया है। अगर हम कंपनी नहीं लेते है तो हमारे भविष्य के बच्चो के लिये पैसा कहां से आयेगा इनके आने से क्षेत्र का विकास नौकरी सब मिलेगा। शायद मेरे बोलने से किसी को परेशानी होगी। मैं कंपनी के आने से बचपन से देखा है हमेशा विकास हुआ है जिनको जाब नहीं मिलता था आज वो सेटल हो गये है। पहले गाड़ी नहीं था पैसा नहीं था आज कंपनी के आने से कोई डॉक्टर कोई इंजीनियर है। जो गरीब फैमिलि से बिलोंग करते है उन्हे आगे के शिक्षा के लिये कंपनी पैसा दे जो अच्छे नम्बरों से पास होते है, उन्हे स्कॉलरशिप मिले जो टॉपर है। एक बच्ची जो 70 प्रतिशत लायी है उन्हे कंपनी स्कॉलरशिप दिये है। बस मैं अपने वाणी को विराम देती हूं।

2. श्री सुरेश कुमार पटनायक, डोलेसरा – मैं महाजेंको कंपनी का तहेदिल से समर्थन करता हूँ। मैं चाहता हूँ मेंरे गांव के बरोजगार को रोजगार दें, और जो मदद चाहिये मदद दें। कंपनी के खुल जाने से स्वास्थ्य शिक्षा बेरोजगारी की अच्छी व्यवस्था होगी। यहां अच्छे प्लांट में कोयला नहीं है तो बिजली नहीं मिल पा रही मैं चाहता हूँ महाजेंको विस्तार करे कोयला निकलें। स्वस्छ जल की व्यवस्था करें सी.एस.आर. में जल नल की व्यवस्था करें कंपनी कोल ब्लॉक खोलें।
3. रामलाल सिदार, डोलेसरा – मैं समर्थ के पूर्व एक बात बोलना चाहता हूँ। मुझे बोला जा रहा कि मैं शराब पी के घुम रहा हू। मैं अपना जायज मांग को यहां बोलने आया हूँ तो बोलुंगा। मैं कंपनी को समर्थन करता हूँ।
4. बनकेश्वर यादव, डोलेसरा – मेंरा जमीन 12 एकड़ जा रहा हैं मुझे नौकरी चाहिये।
5. संदीप कुमार, डोलनारा – इस कंपनी के आगमन में मन में खुशी हुई हर क्षेत्र में विकास होगा। कोयला का प्रोडक्शन करने गांव रायगढ़ का विकास होगा। महाजेंको के आने से पिछड़ी जातियों को विकास होगा जो पिछे है उनका भी विकास होगा हर क्षेत्र में पढ़ाई स्वास्थ्य सभी में विकास हों। जय हिन्द।
6. कुमारी संजुक्ता पटनायक, डोलेसरा – महाजेंको परियोजना का समर्थन करती हूँ। यहां के बेरोजगारो को रोजगार मिले हमको भी मिले यहां बेटियों की इज्जत नहीं मिलती। हम बेटियां को अच्छे संस्कार को बाहर दिखायें कंपनी हमको कुछ सिखाये जिससे हम आगे बढ़ें हमारे गांव के स्कूलों में बच्चो के लिये कोई खेल का व्यवस्था नहीं है। लाईब्रेरी नहीं है। गांव के सभी लड़कियों को रोजगार की जरूरत है उन्हे रोजगार मिले भाई लोग विरोध करते है और हम समर्थन। भाई लोग एक कंपनी का विरोध करते है और एक कंपनी का स्वागत करते है। कंपनी से आग्रह है कि लड़कियो को आगे आने का मौका दें यहां पानी की व्यवस्था करें तालाब में गर्मियों में पानी नहीं होता। यहां कि लड़कियां पानी के लिये दुसरे मुहल्ला जाती है। हर मुहल्ला में नल लगे और नाली की व्यव्स्था करें। खास कर बेटियों के लिये रोजगार दे। भाई लोग बोलते है कि तलवा चाटते है कंपनी की, और विरोध करते है और रात को उसी कंपनी में ड्यूटी करने जाते है। हमें जो नहीं आता उसे कंपनी हमें सिखाये।

7. आत्माराम साव, राष्ट्रीय किसान मोर्चा महासचिव – कंपनी का जन सुनवाई प्रस्तावित था उसे हम लोगो ने आपत्ति प्रस्तुत किया था। फिर गांव में विचार विमर्श के बाद बताया गया कि कंपनी आती है तो हम लोगो को रोजगार मिलेगा। मैं 06 सितम्बर को जो आपत्ति दिया था उसे वापस लेता हू। मेरा आवेदन निरस्त करें।
8. प्रेमसागर साहू, डोलेसरा – कंपनी का समर्थन करता हूं । यह कंपनी के आने से युवा को रोजगार मिलेगा।
9. मंजुला, डोलेसरा – समर्थन करती हूँ। मैं चाहती हूँ आसपास के लोगो को रोजगार मिले सीएसआर से बच्चो को शिक्षा की व्यवस्था किया जायें। स्वच्छ जल की व्यवस्था किया जावे। कंपनी के आने से होने वाले फायदे– महिलाये कम पढ़ी लिखी होती है जो सामने आने से झिझकती है उन महिलाओं के लिये व्यवस्था होनी चाहियें। इस टाईप के महिलाओं के लिये विशेष व्यवस्था किया जायें।
10. नरेश भगत, डोलेसरा – कंपनी का समर्थन करता हूँ।
11. महेत्तर चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
12. राजीव यादव, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
13. ललिता चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ। सबसे पहले कंपनी बेरोजगारो को रोजगार दें कंपनी से गांव के लोगों को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। गांव क्षेत्र में हिन्दी मिडियम स्कूल कम है जिसे हिन्दी मिडियम के साथ साथ अंग्रेजी मिडियम कराये। स्वास्थ्य केन्द्र की संख्या कम होने से परेशानी है उप स्वास्थ्य केन्द्र उपलब्ध करायें। गांव स्कूल में हैण्डपम्प का पानी पीने योग्य नहीं है उसे योग्य बनाये। महिलाओं के हित में कार्य करें। खेल कुद मैदान नहीं है जिसे कंपनी द्वारा उपलब्ध कराये कंपनी गांव के हित में काम करें।
14. मानीक राम चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
15. बनमाली प्रधान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
16. पूजा पटनायक, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ। हमारे घर के लोग और आस पास के लोगो को रोजगार मिले। गांव के बच्चो के लिये अच्छे स्कूल बने जिससे गांव का विकास हो, पेयजल की व्यवस्था किया जायें। स्वास्थ्य की व्यवस्था हों। स्वस्च्छता अभियान के तहत् सुविधा उपलब्ध कराया जाये। महिलाओं के लिये आजिविका का साधन सी.एस.आर. से किया जाये। मुआवजा का भुगतान किया जाये। पीने के पानी की व्यवस्था सी.एस.आर. से किया जाये। कंपनी के आने से निरन्तर विकास, आंगनबाड़ी में व्यवस्था।
17. खीरसागर, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ। रोजगार मिले। जांब मिलेगा तो विकास होगा। समर्थन के लिये आश्वासन देता हूँ।
18. अमित चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ। ये जो प्रोजेक्ट बहुत अच्छा प्रोजेक्ट है हमारे गांव में विकास नहीं है ये जो सोच है उसके लिये मैं उसे धन्यवाद देता हम जो हमारे गांव के विकास के लिये सोच रहे है। कंपनी आकर हम सभी बेरोजगार भाईयों को रोजगार तो देगी साथ ही शिक्षा स्वास्थ्य भी देगा। यहां 10 कि.मी. में अस्पताल है वहां जाते जाते कोई सिरियस मर जायेगा। यहां कंपनी आयेगी तो सब को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य मिलेगा।
19. विनोद साहू, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ। विकास होगा, स्थिति सुधरेगी।
20. भरत कुमार चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
21. तिरथ भगत, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
22. मिलन सारथी, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
23. रोशन चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
24. आकाश साहू, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
25. सद्दाम हुसैन, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करता हूँ।
26. ललिता चौहान, पाता – मैं कंपनी का विरोध करती हूँ। कंपनी के आने से प्रदूषण मृदा, वायु, जल प्रदूषण होता है।
27. हीरामती प्रधान, मुड़ागांव – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
28. जीत बाई , डोलेसरा– महाजेंको का समर्थन करती हूँ।

29. अमरिका सारथी, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
30. कमला चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।

पीठासीन अधिकारी के द्वारा मंच में आग्रह किया कि जो भी गणमान्य नागरिक और आम जन अपना मत रखना चाहते है माईक में आकर बोलें।

31. रामबती चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
32. सरस्वती, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
33. प्रेमलता चौहान, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
34. हंस कुमारी, डोलेसरा, – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
35. गणेशी, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
36. सुन्दरमती पटनायक, डोलेसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
37. पुनम बेगम, डोलसरा – महाजेंको का समर्थन करती हूँ।
38. राजु पटनायक, डोलेसरा – कंपनी का पूरजोर विरोध करता हूँ, क्योकि आस पास की जलवायु खराब होगी, और आसपास के भाईयों को यहां छोड़ के जाना होगा। कंपनी के आने से नुकसान भी और फायदा भी है। अगर कंपनी खुलती है तो आस पास के युवा को रोजगार मिले नहीं तो कंपनी का विरोध करता हूँ लेकिन इसे कोई रोक नहीं सकता । कंपनी के खुलने से 14 ग्राम विस्थापित हो रहे । ग्राम से 10 कि.मी. के दूर विस्थापन किया जायें। आग्रह है कुछ भाई बाहर गेट में खड़े है उन्हे अन्दर लाया जायें। मेरे 100–200 भाई बाहर है कुछ लोग बाहर में लाठी प्रदर्शन कर रहे है उन्हे हटाया जाये। लोगो की जनसख्या 1000 से ज्यादा है जिन्हे अन्दर लाया जाये ताकी विरोध और समर्थन कर सकें।

समय :– 01:00 बजे पीठासीन अधिकारी के द्वारा मंच में आग्रह किया कि जो भी गणमान्य नागरिक और आम जन अपना मत रखना चाहते है माईक में आकर बोलें।

समय :– 01:30 बजे पीठासीन अधिकारी के द्वारा मंच में आग्रह किया कि जो भी गणमान्य नागरिक और आम जन अपना मत रखना चाहते है माईक में आकर बोलें।

समय :– 02:00 बजे पीठासीन अधिकारी के द्वारा मंच में आग्रह किया कि जो भी गणमान्य नागरिक और आम जन अपना मत रखना चाहते है। दावाआपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। चाहे तो लिखित में भी दे सकते है।

समय :– 02:51 बजे पीठासीन अधिकारी के द्वारा मंच में आग्रह किया कि जो भी गणमान्य नागरिक और आम जन अपना मत रखना चाहते है माईक में आकर बोलें। दावाआपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। चाहे तो लिखित में भी दे सकते है।

39. कुडाव कोंडिया, डोलनारा–समर्थन करता हूँ।
40. घुराउ भगत, डोलनारा–समर्थन करता हूँ।
41. बसंत प्रधान, डोलनारा– समर्थन करता हूँ।
42. रत्थुलाल गुप्ता, डोलनारा– समर्थन करता हूँ।
43. विनोद कुमार पटनायक, डोलनारा– समर्थन करता हूँ, और आगे बड़कर कंपनी को बढ़ाये हम लोग अच्छे से है।
44. अरूण सिदार, चितवाही,– समर्थन करता हूँ।
45. गोविद सिदार, चितवाही– समर्थन करता हूँ।
46. सुनील सिदार, चितवाही– समर्थन करता हूँ।

47. राजीव गुप्ता– समर्थन करता हूँ।
48. सुरेश कुमार,– समर्थन करता हूँ।
49. तुलसी निषाद, डोलेसरा– बड़े दुख की बात है कि यहाँ जनसुनवाई हो रही है। जो पुलिस कर्मी है मुझे लगता है कि हम बाडर क्रास करके आये है। हमे अपनी बात रखने का मौलिक अधिकार है। आज ग्लोबल वार्मिग से हम पीड़ित है। सभी जगह प्रदूषण फैला हुआ है और महाजैंको को दिया जाना है। औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण प्रदूषित है वृक्षारोपण पर फोकस किया जाना चाहिए। रोजगार के क्षेत्र में बहुत बड़ी समस्या है। माईन्स खुलने के बाद रोजगार की व्यवस्था हो रोजगार दिया जाना चाहिए। सी.एस.आर. के क्षेत्र में भी कार्य किया जाना उचित होगा। सक्रिय सुविधा होनी चाहिए। हम ये नहीं चाहते कि यहा माइन्स होना चाहिए, अगर इंडिया को अमेरीका, रूस जापान के क्षेत्र जैसा जाना है तो औद्योगिक को लाना होगा। बड़े दुख की बात है कि हमारा भी जमीन जा रहा है। हमारी जमीन में भी कोयला है, जो नया अधिनियम आया है उसकी लाभ हमे भी मिलनी चाहिए अगर नही मिलती है तो प्रशासन को हमे समझना चाहिए। ग्रामीणों को इसका लाभ मिले, शिक्षा की कमी है वो पुरा करे, लाभ मिलना चाहिए किसी भी प्रकार की धांधली नहीं होनी चाहिए उसका लाभ मिलना चाहिए। माईनिंग होने के बाद उसे भर कर पौधारोपण किया जाना है व किसान को सौपा जाये। बहुत लोग बेरोजगार है किसानों को प्राथमिकता दिया जाना चाहिए। उन लोगो को भी सुविधा मिलनी चाहिए जिनकी जमीन नहीं है। शिक्षा स्वास्थ्य की सुविधा मिलनी चाहिए, पानी की सुविधा मिलनी चाहिए। हमारे लोक सुनवाई में बाउण्ड्री के अंदर किसी को भी नहीं आने दिया जा रहा है मेरी प्रशासन से गुजारिश है कि उन्हे भी अपनी बात रखनी चाहिए उनका अधिकार है। भारत सरकार के साथ हम है उनकी मंशा जो है हम उनका सम्मान करते है। लोकसुनवाई का मैं समर्थन करता है। मैं सरकार के साथ हूँ।
50. तुलाराम बेहरा, तमनार – कंपनी का समर्थन करता हूँ। (बोल नहीं सकने के कारण लिखित में पत्र प्रस्तुत किया गया है)

समय :– 03:25 बजे पीठासीन अधिकारी के द्वारा मंच में आग्रह किया कि जो भी गणमान्य नागरिक और आम जन अपना मत रखना चाहते है माईक में आकर बोलें। दावाआपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। चाहे तो लिखित में भी दे सकते है।

51. राहुल जायसवाल, तमनार – कंपनी का समर्थन करता हूँ।
52. आलोक यादव, करनाल – कंपनी का समर्थन करता हूँ।

समय :– 03:51 बजे पीठासीन अधिकारी के द्वारा मंच में आग्रह किया कि जो भी गणमान्य नागरिक और आम जन अपना मत रखना चाहते है माईक में आकर बोलें। 04:00 बजे से जिनको बोलने का मौका दिया गया है उन्हे पढ़ के सुनाया जायेगा।

53. जागेश्वर बेहरा, बागबहरी – महाजेंको का मैं समर्थन करता हूँ। कोल माईंस खुलें।
54. अरूण कुमार बेहरा, तमनार – कंपनी का मैं समर्थन करता हूँ। पर्यावरण का दुहाई देकर विकास की बात कर रहे है। यहा रोजगार मिले तमनार विकास खण्ड के विस्थापितों को यहां सरकारी जमीन दिया जायें। विस्थापन को तमनार विकासखण्ड में दिया जाये।
55. दीपक पटनायक, तमनार – कंपनी का समर्थन करता हूँ।
56. विरेन्द्र कुमार वैष्णव, तमनार – कंपनी का समर्थन करता हूँ।
57. संजय पटनायक, गोढ़ी – कंपनी का समर्थन करता हूँ।
58. रमेश कुम्भकार, तमनार – कंपनी का समर्थन करता हूँ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि यदि कोई ग्रामीणजन, आस–पास के प्रभावित लोग अपना पक्ष रखने में छूट गये हो तो मंच के पास आ जाये। जनसुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होने पुनः कहा कि कोई गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधी छूट गये हो तो वो आ जाये। इस जन सुनवाई के दौरान परियोजना के संबंध में बहुत सारे सुझाव, विचार, आपत्ति लिखित एवं मौखिक में आये है जिसके अभिलेखन की कार्यवाही की गई है। इसके बाद 04:00 बजें कंपनी के प्रतिनिधि/पर्यावरण कंसलटेंट को जनता द्वारा उठाये गये ज्वलंत मुद्दो तथा अन्य तथ्यों पर कंडिकावार तथ्यात्मक जानकारी/स्पष्टीकरण देने के लिये कहा गया।

कंपनी प्रतिनिधि श्री नीतिन वाघ – महाजेंको एक शासकीय कंपनी हैं। महाजैंको द्वारा जो भी कार्य होगा ये केन्द्र शासन एवं राज्य शासन के नियमानुसार ही होगा। यहां के 14 ग्रामों के स्थानीय लोगो की सुविधा को ध्यान में रखकर माईनिंग कार्य होगा। रीना पटनायक द्वारा समर्थन में जो बात कही, यह बात उन्होने कंपनी के बारे में अभ्यास किया है और उसे सही पढ़ा और जाना है। यहां के लड़कियों के लिये ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिये हम सी.एस.आर. एक्टीविटी करेंगें। यहां सी.एस.आर. के अंतर्गत शिक्षा, शौचालय, स्वास्थ्य, खेल मैंदान इन सभी कार्यो को 14 ग्रामों में किया जाना है, जिसकी राशि का प्रावधान पहले से महाजैंको द्वारा किया गया है। यहां हर गांव घरों के युवाओं को रोजगार मान–धन, यहां के स्कूलों में शिक्षा की बात हम सी.एस.आर. में रखा है। 14 गांव के लिये एक आर.आर. प्लान बनाया है जिसमें 14 ग्रामों में से 09 ग्रामों में विस्थापन होना है जिसमें हमारी कोशिश होगी की ग्राम की सलाह से विस्थापन किया जायेगा एवं 09 ग्रामें विकास होगा। माईन प्रोसेस में जिन 09 ग्रामों का विस्थापन होगा उनके लिये नौकरी एवं विस्थापन किया जायेगा। बच्चों के लिये कम्प्यूटर लाईब्रेरी आदि का व्यवस्था किया जायेगा। सभी स्कूलों में मरम्मत एवं स्तर उच्च करना है उसके लिये एक प्रोग्राम बनाया है जिसे 100 प्रतिशत पूर्ण किया जायेगा। लड़कियों के विकास के लिये सी.एस.आर. में बहुत प्रोग्राम है जैसे सिलाई बुनाई आदि केन्द्र स्थापित किया जायेगा। जिससे उनको रोजगार उपलब्ध हो। आत्माराम का विरोध से हमने ई.आई.ए. में इन्वायरमेंट इम्पेक्ट के तहत् हम ने वायु, जल, मृदा प्रदूषण के लिये हम अच्छी तरीके से पालन करेंगें, और प्रदूषण नियंत्रण का ध्यान रखेंगें कि किसी को इससे कोई परेशानी न हों। सोलर लैंस कई गांव में लगाया गया है सोलर लाईट जहां आवश्यकता है वहां लगाना है, पेयजल की व्यवस्था के लिये सभी गांव में किया जायेंगा। सभी गांव में हेल्थ कैम्प चालु कराया गया है। सभी महिलाओं की कॉमन समस्या है कि पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि के लिये हम काम किये है और काम करेंगे, जिससे लाभ होगा। ये प्रोजेक्ट फुलप्रुफ है इससे जो भी प्रदूषण होगा उससे हम पुरी तरह से प्रदूषण नियंत्रक लगाने वाले है। ट्रेन, ट्रक से जो कोयला जायेगा से ढक कर किया जायेगा। प्रदूषण के मामले या विस्थापित होने के मामले में जो भी विरोध है, समस्या है उनसे उच्च अधिकारियों से मिल या सम्पर्क कर सकते है। रोजगार, विस्थापित भूमि की मुआवजा, प्रदूषण, सी.एस.आर. के प्रश्न पर्यावरण विभाग से है। उनका हम निवारण करेंगें। 14 गांव में लोकल स्वास्थ्य कैम्प लगाने वाले है स्वास्थ्य जागरूकता शिविर 02–03 महिनों में किया जायेगा। गरिबों को फ्री में इलाज किया जायेगा। पानी की आपुर्ति के लिये हम सभी ग्रामों में टंकी लगवाने वाले है। आंगनबाड़ी के स्टाफ के लिये, गर्भवती महिलाओं के लिये शिविर लगायेगें। आई.टी.ई. घरघोड़ा में सेंटर खोलने वाले है। किसानों को जुताई–कटाई एवं फसल कीटनाशक दवाईयों के लिये संबंधित

प्रशिक्षण के लिये सेंटर खोलने वाले है, जो भी और होगा हम राईटिंगं में दे सकते है। इस दौरान श्री रमेश अग्रवाल रायगढ़ के द्वारा जन सुनवाई के दौरान एवं 30 दिन के भीतर जो आपत्ति दर्ज की गई है उसके प्रतिउत्तर में महाजेंको द्वारा जवाब देने पर आपत्ति दर्ज की गई, जिसे क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी रायगढ़ द्वारा ई. आई.ए. नोटिफिकेशन की कंडिका 6.4 एवं III Public consultation (vi) all the responses recived as part of this public consultation process shall be forwarded to the applicant through the quickest available means. के आधार पर उनकी आपत्ति निरस्त की गई।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी के द्वारा उपस्थित ग्रामीण जनों से पुनः अपना पक्ष रखने का अनुरोध किया गया।

59. मोतीलाल चौधरी, गारे– हम बिमार होते है तो रायगढ़ जाना पढ़ता है तो हमें तमनार ब्लाक में बहुत सारी कंपनियां है पर अस्पताल जीरो है जो रायगढ़ में हो रहा है वैसे तमनार में हो तो समर्थन है रोड पानी शिक्षा का व्यवस्था करें। कंपनी जब से यहां आई है मैं इस कंपनी के साथ जुड़ा हूँ इस कंपनी के साथ आज भी बुजुर्ग रिटायर्ड हुये है उनका इज्जत करें।

सुनवाई के दौरान 02 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये तथा पूर्व में 30 अभ्यावेदन प्राप्त हुये है। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई। लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी एवं क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा पढ़कर सुनाया गया। तत्पश्चात सायं 05:00 बजे धन्यवाद ज्ञापन के साथ लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की गई।

(आर.के. शर्मा)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

(आर.ए. कुरूवंशी)
अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)